प्रवास प्रतिवेदन

NAFCC परियोजनांतर्गत स्वास्थ्य उपचार कैंप के द्वितीय चरण के कार्यक्रम का आयोजन वनमण्डल बलौदाबाजार, के वन परिक्षेत्र अर्जुनी अंतर्गत आने वाले परियोजना ग्राम महकोनी, खोसडा, दलदली में पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु स्थानीय वैद्यों के माध्यम से ग्रामों में चलित परंपरागत स्वास्थ्य कैम्प दिनांक 25/02/2019 से 26/02/2019 तक आयोजन किया गया।

पारंपरिक स्वास्थ्य उपचार पद्धति के प्रचार–प्रसार हेतु संस्थान परिसर से दि. 25/02/2019 को प्रातः 8:30 बजे अर्जुनी को प्रवास हेतु श्री शिरीष कुमार सिंह, फिल्ड इंस्पेक्टर, सीजीसर्ट एवं श्री राकेश कुमार श्रीवास, जे.आर. एफ. राज्य जलवायु परिवर्तन केन्द्र द्वारा पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु उपचार कैम्प के आयोजन के लिए प्रवास किया गया।

वन परिक्षेत्र कार्यालय पंहुच कर वनरक्षक श्री हरीराम साहु जी से मिलकर वैद्यों की सूची एवं कार्ययोजना तैयार कर प्रचार प्रसार कार्य हेतु प्रस्तावित स्थल खोसडा पहुंचे । खोसडा के वन रक्षक श्री सुनील कुमार पैकरा ने यह अवगत कराया की स्वास्थ्य कैम्प की मुनादी कोटवार के माध्यम से ग्रामवासियों को सूचना दे दी गयी हैं।

दोप. 12 से शाम 4 बजे तक ग्राम खोसडा के स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में वैद्य श्री सियाम मैत्री एवं श्री कृपाराम विश्वकर्मा द्वारा उपचार स्वास्थ्य परीक्षण कर लोगों को परामर्श दिया गया । इस कार्यक्रम में कुल 20 हितग्राहीयों ने भाग लिया।

इस स्वास्थ्य कैम्प में प्रमुख्य स्थानीय वैद्य 1. सियाराम मैत्री 2.कृपाराम विश्वकर्मा 3. केजूराम पैकरा 4. रामाधार पैकरा आदि उपस्थित रहे। कैम्प में स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार के दौरान इन्होने स्थानीय वनों में मिलने वाले वनोषधियों के बारे में ग्रामवासियों से विस्तार से चर्चा की एवं घरों के आंगन –बाडी में आसानी से उगाये जा सकने वाले औषधी गुण वाले पौधों के संबंध में जानकारी दी गई जैसे– घृतकुमारी, शतावार, पुदीना अजवाइन, पत्थरचुर इत्यादि।

इस स्वास्थ्य कैम्प के आयोजन के दौरान कुल 58 प्रतिभागीयों/हितग्राहीयों की उपस्थित में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। वैद्यराज द्वारा स्थानीय औषधि का उपयोग करते हुए ग्रामवासियों को विभिन्न बीमारियों के उपचार परामर्श दिया। कराया गया, जिसमें के उपचार कार्यो से जुड़े की सहायता से का सफलतापूर्वक है।

स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये वैद्य द्वारा कहा गया कि ''सुबह की हवा एक लाख की दवा '' इसे ग्रामवासियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण औषधी बतायी गयी।

अंत में पारंपरिक स्वास्थ्य कैम्प का समापन वैद्यराज एवं वनरक्षक, श्रीमति जैसवाल, श्री यादव, श्री सुनील कुमारा पैकरा की उपस्थित में वैद्यराज की मानदेय देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।